an>

Title: Regarding Farmer’s Suicide in Aurangabad due to non-repayment ‹
Loans to Private lenders.

***m01 श्री सय्यद ईमत्याज़ जलील (औरंगाबाद) :** सभापति जी, इस सदन में हम बहुत बड़ी-बड़ी बातें सुनी हैं कि किसानों के लिए सरकार क्या कर रही है। महाराष्ट्र के औरंगाबाद क्षेत्र से आता हूं। वहां जनवरी, 2022 से लेकर जुलाई, 202 तक 400 किसानों ने आत्महत्या की है। मुझे आज भी याद है कि जब सरकार आ थी, तब उसने कहा था कि हम इस देश से आत्महत्या पूरी तरह खत्म कर देंगे। इ देश के एक छोटे से हिस्से के अंदर यदि महज सात महीनों के अंदर 400 से ज्याद किसानों ने आत्महत्या की है, तो उसकी क्या वजह है?

उसकी वजह यह है कि बैंक्स किसानों की मदद नहीं कर रहे हैं, इस वजह उन्हें साहूकारों के पास जाना पड़ रहा है। प्राइवेट लेंडर्स 25 परसेंट से 32 परसें इंटरेस्ट के हिसाब से किसानों को लोन दे रहे हैं। वह पैसा किसान दे नहीं पा रहा है इसलिए उसके सामने सिवाय आत्महत्या करने के कोई दूसरा रास्ता नहीं है। ऐस सूरत में जब बारिश आती है और बारिश का कहर आता है, जब पूरी फसल बर्बा हो जाती है, तो भी किसान परेशान हो जाता है।

मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जल्द से जल्द जितने भी किसानों आत्महत्या की है, उसकी वजह क्या है, उसको सरकार जाने। यह वजह सभी लो जानते हैं। यदि प्राइवेट बैंकों से किसानों को पैसा लेना पड़ रहा है और सरकारी बैंक कोई न कोई बहाना बनाकर इन्हें लोन नहीं दे रहे हैं, इस वजह से ही ये आत्महत्या हो रही हैं। आज यह सबसे अहम काम है, न कि शहरों के नाम बदलना। औरंगाबा का नाम बदलकर शंभाजी नगर कर दीजिएगा, ये अहम मुद्दे नहीं हैं। हम छत्रपा शंभाजी महाराज और छत्रपति शिवाजी महाराज का आदर करते हैं, इन्होंने किसान के लिए काम किया है, न कि राजनीति के लिए।… (व्यवधान)